Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In July 2018

रिपोर्ट | विश्वविद्यालय को विभिन्न मानकों के आधार पर 2 हजार में से मिले 1010.3 अंक

तकनीकी विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय सर्वे में 15वें स्थान पर जीजेयू

जागरण संवाददाता हिसार : देश भर के तकनीकी संस्थानों में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय ने 15वीं रैंक हासिल की है। खास बात यह है कि जीजेयू हरियाणा सहित आस-पास के तीन राज्यों पंजाब, उत्तराखंड में एकमात्र टेक्नीकल यूनिवर्सिटी है जो इस रैंकिंग में जगह बना पाई है।

यह रैंकिंग एक निजी प्रतिष्ठित पत्रिका द्वारा किए गए राष्ट्रीय सर्वे के आधार पर जारी की गई है। सर्वे में टॉप चार में सभी आइआइटी हैं। पहले स्थान पर रही आइआइटी खड़गपुर को 1847.5 अंक मिले हैं। इसके बाद आइआइटी दिल्ली, कानपुर और गुवाहाटी ने जगह बनाई है।

पत्रिका द्वारा रविवार को जारी की गई इस रैंकिंग में जीजेयू को 2 हजार में से 1010.3 अंक मिले हैं। विश्वविद्यालय को यह अंक इंटेक क्वालिटी व गवर्नेंस, एकेडमिक रिसर्च एक्सीलेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर व लीविंग एक्सपीरियंस, पर्सनालिटी व लीडरशिप डेवलपमेंट, करियर प्रोग्रेस एंड प्लेसमेंट और ऑब्जेक्टिव स्कोर में मिले हैं।

ये रहे टॉप 20 तकनीकी संस्थान

संस्थान	अंक	संस्थान	अंक
1. आइआइटी, खड़गपुर	1847.5	11. जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद	1138.1
2. आइआइटी, दिल्ली	1843.5	12. हिंदुस्तान इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई	1097.7
3. आइआइटी, कानपुर	1803.5	13. स्कूल ऑफ प्लानिंग आर्किटेक्चर, विजयवाड़ा	1091.6
4. आइआइटी, गुवाहाटी	1712.8	14. करून्या इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर	1020.4
5. दिल्ली टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी	1534.3	15. गुरू जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार	1010.3
6. आइआइटी, इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद	1454.5	16. मदन मोहन मालविया यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर	891.8
7. नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी	1439.8	17. जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉरमेशन, सोलन	877.3
8. इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी	1360.4	18. विजनान फाउंडेशन फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी	584.5
9. विश्वेश्वरैया नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर	1309.6	19. शोभित इंस्टीटयूट ऑफ इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	513.7
10. नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सिलचर	1158	20. डा. बाबासाहेब अंबेडकर टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, महाराष्ट्र	473.4

"हमारे लिए यह गर्व की बात है। विद्यार्थियों, अध्यापकों व कर्मचारियों की मेहनत के कारण ही यह सब संभव हो पाया। उन सबको बधाई। हम भविष्य में ओर बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं।
– **डा. अनिल कुमार पुंडीर,** रजिस्ट्रार, गुजवि।

ओवरऑल हम 15वें स्थान पर हैं, लेकिन आस-पास के राज्यों के संस्थानों में उससे भी बेहतर हैं। यह विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है। इस उपलब्धि के लिए सभी विद्यार्थियों, अध्यापकों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं।"
– **प्रो. टंकेश्वर कुमार,** कुलपति, गुजवि, हिसार।

दैनिक जागरण- 2-7-18

जीजेयू में पंचनद के प्रांतीय सम्मेलन में सीएम मनोहर लाल ने युवाओं को दी सीख

फोटो खिंचवा कर फेसबुक और व्हाट्स एप पर डालने से नहीं, धरातल पर काम करने से ही बनेगी आपकी पहचान

कहा- देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 साल के आयुवर्ग की, इसलिए भारत युवाओं का देश और हमें अपनी युवा शक्ति पर गर्व

भास्कर न्यूज | हिसार

फोटो खिंचवाने से नहीं, धरातल पर काम करने से आपकी पहचान बनेगी और लोग अपने आप आपको जान जाएंगे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने युवाओं को यह नसीहत पंचनद के प्रांतीय युवा सम्मेलन में दी। रविवार को जीजेयू के सभागार में पंचनद स्मारक ट्रस्ट की ओर से आयोजित समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने की। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंच से युवाओं को कई टिप्स देते हुए कहा कि युवाओं को जोश से नहीं होश से काम करना होगा। देश की 65 प्रतिशत आबादी 35 साल की आयुवर्ग के युवाओं की है। भारत को युवाओं का देश कहा जाता है और हमें अपनी युवा शक्ति पर गर्व है। उन्होंने कहा कि युवा नाम है जोश का, होश का और सेवा व समर्पण का।

कार्यक्रम में अभिनंदन समारोह के दौरान युवाओं द्वारा बार-बार फोटो खिंचवाने पर मुख्यमंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया मंच से दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बार-बार उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए मंच पर आ रहे हैं। बाद में फोटो खिंचवा कर व्हाट्सएप और फेसबुक पर डाल देते हैं। हां, आप जमीन से जुड़कर सामाजिक, धार्मिक व दूसरे सकारात्मक कार्य करेंगे तो लोग स्वयं आपको पहचान जाएंगे। फोटो तो छोटे बच्चे खिंचवाकर खुश होते हैं। बच्चों और बड़ों को तभी [illegible] आनंद भी अनुभव होता है।

समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने की, समारोह में पंचनद स्मारक ट्रस्ट की युवा ईकाई भी कार्यकारिणी गठित की

जीजेयू में पंचनद स्मारक ट्रस्ट के राज्यस्तरीय युवा सम्मेलन में अभिवादन स्वीकार करते सीएम मनोहर लाल और स्वामी धर्मदेव।

मनोहर लाल और धर्मदेव ने की एक दूसरे की तारीफ

कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत समारोह के बाद जब स्वामी धर्मदेव ने मंच संभाला तो वह धारा प्रवाह मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तारीफ में बोलते चले गए। उधर, कार्यक्रम के समापन से पहले मुख्यमंत्री ने अपना संबोधन दिया तो महामंडलेश्वर धर्मदेव की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्वामीजी राष्ट्र की सेवा के लिए बने हैं। उन्होंने अपने जीवन में कभी भी छोटी बात नहीं की। वह सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं।

सम्मेलन में सीएम ने बेहतर जीवन के लिए दी 3 बड़ी नसीहतें

संस्कारित बनो और राष्ट्र सेवा प्रमुखता होनी चाहिए

युवा सम्मेलन में युवाओं को संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कारित बनो और राष्ट्र सेवा को प्रमुखता से रखो। जिस तरह आजादी से पहले भगतसिंह, बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद जैसे हजारों युवा देश के लिए जान देने से पीछे नहीं हटते थे। उसी तरह भी युवाओं में देश की उस आजादी को बरकरार रखने का जज्बा होना चाहिए। इसके लिए कुछ न कुछ सकारात्मक करना होगा।

समाज को जागृत करने का बीड़ा युवा ही उठा सकते हैं

सीएम ने कहा - देश को आज जागृत करने की जरूरत है, जो युवा ही इसका बीड़ा उठा सकते हैं। जाति के दायरे को तोड़कर पूरे समाज और देश के गौरव को बढ़ाने का काम करें। समाज में रहने के लिए बड़ा मन चाहिए। एक समय था जब इंसान कबीले में रहता था, लेकिन आज देश या समाज केवल जाति धर्म में बांधकर विकास के बारे में सोच नहीं सकते।

मैं की नहीं, हम की भावना से काम करें

मुख्यमंत्री ने युवाओं को कहा कि मैं की नहीं, हम की भावना से काम करें। युवाओं में जोश तो ज्यादा होता है, लेकिन छोटी-छोटी बातों में उलझ जाता है। इसलिए हम की भावना से काम करेगा तो सभ्य रहकर बात करेगा और नकारात्मकता आसपास भी नहीं फटकेगी।

मुख्यमंत्री का पिछले दो महीने में जिले का तीसरा दौरा रहा

हिसार | भाजपा के चुनावी अभियान को व्यापक रूप देने की कड़ी में मुख्यमंत्री ने दो माह में हिसार जिले का तीसरा दौरा किया है। 17 मई को शहर में रोड शो, 24 जून को आदमपुर विधानसभा के गांवों का महाग्राम संपर्क अभियान का दौरा और 1 जुलाई को शहर में ही पंचनद के प्रदेशस्तरीय युवा सम्मेलन में शिरकत की। सम्मेलन के दौरान मंच से आयोजक बार-बार यही घोषणा करते रहे कि पंचनद स्मारक ट्रस्ट सामाजिक मंच है। मगर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सम्मेलन के मुख्य आयोजक स्वामी धर्मदेव इस बात की घोषणा की कि देश में तीन ही प्रभावी इंसान हैं। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फिर मुख्यमंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हैं। स्वामी धर्मदेव ने पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट तौर पर कहा कि वह खुद राजनीति और चुनाव से दूर रहेंगे, लेकिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के लिए पूरा समर्थन जुटाएंगे। धर्मदेव ने कहा कि पंचनद ट्रस्ट सामाजिक कार्यों के लिए बना है और किसी राजनीतिक दल का समर्थन या विरोध करने का सवाल ही नहीं है। परंतु निजी तौर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को पूरा समर्थन और सहयोग उनकी ओर से सदैव रहेगा। उल्लेखनीय है कि हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, हांसी, बरवाला, टोहाना, बरवाला आदि आसपास के कई ऐसे विधानसभा क्षेत्र हैं जहां पंजाबी समाज का अहम रोल रहता है। नलवा क्षेत्र में भी पंजाबी वोट काफी संख्या में हैं।

जितेंद्र गेरा बने पंचनद युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष

हिसार | पंचनद स्मारक ट्रस्ट की नवगठित युवा ईकाई की कमान गोहाना निवासी जीतेंद्र गेरा के हाथों सौंपी गई। युवाओं का यह दल प्रदेश के सभी जिलों में गठित ईकाइयों के साथ सामंजस्य बनाकर पंचनद परिवार की गतिविधियों को नई उड़ान देगा। रविवार को गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय स्थित आडिटोरियम में सीएम मनोहरलाल की उपस्थिति में रविवार को ट्रस्ट के आजीवन अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने यह घोषणा की। प्रदेशाध्यक्ष जीतेंद्र गेरा की रहनुमाई में प्रदेश की इस युवा ईकाई में प्रवीण सरदाना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मुकेश खनेजा व नितिन मेहता को उपाध्यक्ष, संजीव पसरीजा को महासचिव बनाया गया। इसके अतिरिक्त प्रदेश मीडिया प्रभारी विनीत नरुला को सौंपी गई वहीं प्रचार सचिव मुकेश चावला को बनाया गया है। इस टीम के कोषाध्यक्ष हेतु रवि छाबड़ा का चयन किया गया जबकि लोकेश अनेजा, प्रवीण ग्रोवर को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। रविवार को हुए कार्यक्रम में स्वामी धर्मदेव ने बताया कि युवाओं की यह टीम पंचनद संस्कृति से जुड़े प्रदेश के हर-घर जाकर अपने पावन मिशन के प्रति अलख जगाएगी।

दैनिक भास्कर 2-7-18

28 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम समारोह का समापन

मानव निर्माण की प्रक्रिया को पूरा करते हैं शिक्षक : पूनिया

समारोह को सम्बोधित करते व कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान करते मदवि रोहतक के कुलपति प्रो. बिजेंद्र कुमार पूनिया व गुजविप्रौवि के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व अन्य।

हिसार, 4 जुलाई (पंकेस): महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति प्रो. बिजेंद्र कुमार पूनिया ने कहा कि शिक्षक मानव निर्माण की प्रक्रिया को पूरा करते हैं। शिक्षक समाज में रोल मॉडल होता है। शिक्षक द्वारा की गई लापरवाही से बच्चों व देश का भविष्य अंधकार में पड़ सकता है।

प्रो. बिजेंद्र कुमार पूनिया गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र के सौजन्य से चौ. रणबीर सिंह सभागार के सैमीनार हाल-3 में चल रहे 28 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के समापन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कोर्स समन्वयक प्रो. वंदना पूनिया भी समारोह में मौजूद रही। मंच संचालन डा. अनुराग सांगवान ने किया। प्रो. बिजेंद्र कुमार पूनिया ने कहा कि एक शिक्षक के 3 मुख्य कार्य शिक्षण, अनुसंधान व ज्ञान का प्रसार हैं। शिक्षक को ये कार्य सिद्दत से करने चाहिएं। इस अवसर पर उन्होंने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति के रूप में भी अपने अनुभव सांझा किए।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि शिक्षकों को देश के युवाओं की सृजनात्मक शक्ति को सही दिशा देने के लिए कार्य करना चाहिए ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान दे सकें। मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि यह कोर्स प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभदायक रहेगा। प्रतिभागी डा. ईश्वर मित्तल ने कोर्स से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

उन्होंने बताया कि कोर्स में 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें से 28 प्रतिभागी हरियाणा प्रदेश से व 8 प्रतिभागी अन्य राज्यों से शामिल हुए। डा. विश्वजीत बेहरा, रशमी सरोहा तथा डा. सपना ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर कोर्स समन्वयक डा. अनुराग सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। समापन समारोह में कार्यक्रम की विवरणिका का विमोचन भी किया गया। कोर्स के सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट किए गए।

पंजाब केसरी हिसार - 5-7-18

गुजवि और फाउंडेशन के बीच हुआ एमओयू

सुभाष चंद्रा फाउंडेशन गुजवि को देगा ढाई करोड़ की राशि

- सोलर सैल और नैनो तकनीक के लिए दी जाएगी राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

एमओयू हस्ताक्षर करते सांसद डॉ. सुभाष चंद्रा तथा कुलपति प्रो .टंकेश्वर कुमार।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय और सुभाष चंद्रा फाउंडेशन के बीच बृहस्पतिवार को एमओयू हुआ। इस एमओयू के तहत फाउंडेशन की ओर से गुजवि को ढाई करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इस राशि से विश्वविद्यालय में सुभाष चंद्रा इनक्यूबेशन एंड रिसर्च सेंटर स्थापित किया जाएगा।

राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्रा की मौजूदगी में इस एमओयू पर गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने तथा सुभाष चंद्रा फाउंडेशन की ओर से इएसएसएल ग्रुप के सीईओ तथा निदेशक अशोक अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। डॉ. चंद्रा ने कहा कि क्षेत्र में शोध व अनुसंधान की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आधारभूत ढ़ाचा विकसित करें। यह रिसर्च सेंटर इस दिशा में उठाया गया सकारात्मक कदम है। लगातार नई तकनीकों का पदार्पण हो रहा है। इस सेंटर में अति आधुनिक तकनीकों को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उनकी विवि के वैज्ञानिकों से बात हुई थी।

हालांकि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षण संस्थाओं को पर्याप्त मात्रा में अनुदान उपलब्ध करवा रही है। इसके बावजूद उन्हें लगा कि गुजवि में उन्हें भी योगदान देना चाहिए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह दिन विवि के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस सेंटर में सोलर सैल व नैनो तकनीक से जुड़ी तकनीकों के लिए अनुसंधान किए जाएंगे। इस एमओयू से रोजगार के नए अवसर पर उपलब्ध होंगे।

उन्होंने इसके लिए सांसद सुभाष चंद्रा का आभार व्यक्त किया। मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि सुभाष चंद्रा फाउंडेशन द्वारा अगले पांच साल तक इस सेंटर संबंधित अन्य खर्च भी वहन किए जाएंगे। इस अवसर पर डीन एकेडेमिक अफेयर प्रो. राजेश मल्हौत्रा, प्रो. अशोक चौधरी, प्रो. विनोद छोक्कर, प्रो. डी.कुमार, डॉ. दीपक केडिया, डॉ. संदीप, डॉ. मनीष गुप्ता तथा डॉ. रवि भांटिया मौजूद थे।

दो करोड़ की किताबें खरीदेगा गुजवि

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के पुस्तकालय के लिए इस वर्ष दो करोड़ रुपए की पुस्तकें, ई पुस्तकें, जरनल्ज तथा ई. जनरल्ज खरीदे जाएंगे। बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय पुस्तकालय कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि किसी भी विश्वविद्यालय में शोध व अनुसंधान के उच्च स्तर के लिए पुस्तकालय का अति समृद्ध होना आवश्यक है। विवि पुस्तकालय को अधिक उपयोगी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुस्तकालयाध्यक्ष डा. विनोद कुमार ने बताया कि अब बुक बैंक की सुविधा विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध होगी। बैठक में स्टाक वेरीफिकेशन को भी स्वीकृति दी गई। साथ ही निर्णय लिया गया कि जो विद्यार्थी गत वर्ष 31 दिसंबर तक की अपनी पुस्तकें समय पर जमा नहीं करवा सके, वह बिना जुर्माना पुस्तकालय में पुस्तकें जमा करवा सकेंगे। बैठक में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, डीन एकेडिमिक अफेयर प्रो. राजेश मल्होत्रा, उपपुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. एसएस जोशी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार जोशी तथा पंजाब विश्वविद्यालय पटियाला की पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. सरोज मौजूद थे।

हरिभूमि - 6/7/18

दौरा

बेहतर सुविधाएं व वातावरण स्थापित करने के लिए पहुंचे जीजेयू

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामेश्वर ने जीजेयू में तलाशी शोध संभावना

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय पटना के कुलपति डॉ. रामेश्वर सिंह ने जीजेयू का दौरा किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के बायो एंड नैनो साइंस, डॉ. अब्दुल कलाम सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लैब और फूड टेक्नोलॉजी विभाग में जाकर प्रयोगशालाओं व अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी हासिल की।

डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि जीजेयू न केवल राष्ट्र स्तर पर बल्कि विश्व स्तर पर शोध व अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी भूमिका अदा कर सकता है। डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के नाम से नया विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है। बेहतर सुविधाएं व वातावरण स्थापित करने के लिए उन्होंने जीजेयू का दौरा किया है। कृषि के क्षेत्र में तो देश व दुनिया के स्तर पर काफी अनुसंधान हो रहे हैं, लेकिन पशु विज्ञान के क्षेत्र में अभी और अधिक कार्य करने की जरूरत है। किसानों की जोत छोटी हो गई है। ऐसे में पशुपालन उनकी आय का एक बड़ा स्त्रोत हो सकता है। अभी भी दूध देश में एक बहुत बड़ी वस्तु के रूप में उपलब्ध है। दूध व दूध से जुड़े कारोबारों को व्यवस्थित व वैज्ञानिक रूप दिए जाने की जरूरत है। जीजेयू प्रयोगशालाएं अत्यंत उच्च स्तर की हैं। सुरक्षित रखी गई कुछ जर्म प्लाज्म अत्यंत दुलर्भ हैं। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय व जीजेयू में शोध-अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं ताकि दोनों विश्वविद्यालय भविष्य में और उपयोगी हो सकें। इस मौके पर उनके साथ प्रो. बीएस खटकड़, प्रो. विनोद छोकर, डॉ. अनिल भानखड़ व प्रो. देवेन्द्र कुमार उपस्थित थे।

जीजेयू का दौरा करते बिहार यूनिवर्सिटी के कुलपति रामेश्वर सिंह।

अमर उजाला - 7/7/18

दयाल व भूपेंद्र का पत्र मीडिया कांफ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

राजस्थान विश्वविद्यालय के जनसंचार केंद्र एवं गोहाटी विश्वविद्यालय के संचार एवं पत्रकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर में 6 से 8 जुलाई तक आयोजित तृतीय अखिल भारतीय मीडिया कांफ्रेंस में गुरु जम्भेश्वर विज्ञानं एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार प्रबंधन व तकनीकी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मनोज दयाल एवं सहायक प्राध्यापक (अनुबंधित) के संयुक्त पत्र को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। इस पत्र का टॉपिक परसेप्शन अबाउट इफेक्टिवनेस ऑफ मूवीज ऑन स्ट्रेस मैनेजमेंट है।

विवि के लगभग 150 विद्यार्थियों पर किए इस सर्वेक्षण में केस्लर मनोवैज्ञानिक तनाव पैमाना (के 10) का भी प्रयोग किया गया था। अध्ययन का उद्देश्य छात्रों के तनाव स्तर पर चलचित्रों का प्रभाव एवं इनके अंतर्संबंधों का अध्ययन करना था। अध्ययन में 7.8% छात्रों की मनः स्थिति अति तनावपूर्ण पाई गई, जबकि 15.6% की स्थिति सामन्यतः तनावपूर्ण पाई गई। कभी कभी छात्र अनेक कारणों के संयुक्त एवं सम्मिलित प्रभाव आत्महत्या तक की मनःस्थिति में पहुंच जाते हैं मगर तनावपूर्ण स्थिति में मनोरंजनात्मक उन पर अति सकारात्मक प्रभाव डालता है और उनके जटिल जीवन को सुखद व सरल करता है। कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. अनिल पुंडीर, मीडिया अध्ययन संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर विक्रम कौशिक एवं विभाग से शिक्षकों ने दोनों शिक्षकों की उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

हरिभूमि - 9/7/18

गुजवि में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन

संचार तकनीक से शिक्षक रहें अपडेट : टंकेश्वर

- कहा, कोर्स केवल प्रमाण पत्र देने के लिए नहीं बल्कि प्रतिभागियों के लिए उपयोगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा आयोजित 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन हुआ।

इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सूचना एवं संचार तकनीक वर्तमान समय की जरुरत है। शिक्षकों को इस तकनीक से अवगत रहना चाहिए तभी वह अपने विद्यार्थियों को वर्तमान समय की जरुरतों के अनुसार ज्ञान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि सूचना व संचार तकनीक का प्रयोग केवल कक्षा में नहीं किया जाए बल्कि इसका प्रयोग दैनिक कार्यों में नियमित रुप से किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में इस तकनीक का बखूबी प्रयोग किया जा रहा है।

उन्होंने उन विभागों और कार्यालयों के बारे में बताया जहां इस तकनीक का प्रयोग हो रहा है। उन्होंने इस अवसर पर प्रतिभागी शिक्षकों को गूगल होम के बारे में भी जानकारी दी। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि सूचना व संचार तकनीक समय की मांग है। यह कोर्स प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

उन्होंने दावा किया गया कि कोर्स को केवल प्रमाण पत्र देने के लिए नहीं बल्कि प्रतिभागियों के लिए उपयोगी बनाया गया। रिफ्रेशर कोर्स में चण्डीगढ़, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली तथा उतराखंड समेत प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के 54 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागी डॉ. अंजू गुप्ता ने कोर्स की रिपोर्ट पेश की। इस दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान दिए। प्रतिभागी चिराग नागपाल, पंकज कालड़ा तथा डॉ. लाजवंती ने अपने अनुभव सांझा किए। मंच संचालन कोर्स समन्वयक डा. अनुराग सांगवान ने किया।

हिसार। समारोह में संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि - 12-7-18

कार्यशाला | कोरिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एक सप्ताह तक देंगे प्रशिक्षण

नैनो टेक्नोलॉजी से वैश्विक स्तर पर आएगी तकनीकी क्रांति

कोरिया विश्वविद्यालय, सिऊल के प्रो. डोंग वोन लिम को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए गुजवि के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। (दाएं) गुजवि में आयोजित ज्ञान कार्यशाला में भाग लेते हुए प्रतिभागी। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि नैनो टेक्नोलॉजी के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स व ऊर्जा उत्पादन सहित विभिन्न क्षेत्रों में काफी परिवर्तन आए हैं। नैनो टेक्नोलॉजी ने आज देश को अच्छे मुकाम पर खड़ा किया है। विश्व के सभी देशों को साथ मिलकर नई तकनीकों के विकास के लिए कार्य करना चाहिए। इससे वैश्विक स्तर पर तकनीकी क्रांति आएगी। डा. अनिल कुमार पुंडीर ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अकेडमिक नेटवर्क (ज्ञान) के तहत' नैनो टेक्नोलॉजी: नैनोपार्टिकल सिंथेसिस एंड कंजुएशन केमिस्ट्री फॉर बायोएप्लीकेशन' विषय पर शुरू हुई साप्ताहिक कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोर्स कोर्डिनेटर प्रो. नीरज दिलबागी ने की। साउथ कोरिया की क्यू-किस्ट ग्रेजुएट स्कूल ऑफ कवरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कोरिया विश्वविद्यालय, सिऊल के प्रो. डोंग वोन लिम ज्ञान कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ है। इस अवसर पर ज्ञान के लोकल कोर्डिनेटर प्रो. कर्मपाल नरवाल, बॉयो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद छोकर व कोर्स कोर्डिनेटर डा. संदीप कुमार भी मौजूद रहे।

ड्रग डिस्कवरी और बायो सेंसर की दी जाएगी जानकारी : साउथ कोरिया की क्यू-किस्ट ग्रेजुएट स्कूल ऑफ कवरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी कोरिया विश्वविद्यालय, सिउल, के प्रो. डोंग वोन लिम ने नैनो टेक्नोलॉजी पर विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने साप्ताहिक कार्यशाला व तकनीकी सत्रों बारे विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में बायो इमेंजिंग, ड्रग डिस्कवरी तथा बायो सेंसर विकास सहित सेंसिंग केमिस्ट्री की सम्पूर्ण जानकारी प्रतिभागियों को दी जाएगी। कोर्स कोर्डिनेटर प्रो. नीरज दिलबागी ने बताया कि कार्यशाला में इंडस्ट्रीज, इंडियन एकेडमिक इंस्टीटयूट व हॉस्ट डिपार्टमेंट से जुडे 84 शिक्षक व शोधार्थी भाग ले रहे हैं, जिनमें से 56 शिक्षक व शोधार्थी अन्य राज्यों से है।

वेबपोर्टल के माध्यम से दुनियाभर में की जा रही वेबकास्टिंग : बॉयो एंड नैनो टेक्नोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद छोकर ने बताया कि कार्यशाला में लैब में बिना एक्सपरिमेंट किए दवा व अन्य चीजों की डिजाईनिंग, दवा व अन्य सूक्ष्म चीजों की डिजाईनिंग के लिए प्रयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर कॉरलड्रा व फोटोशॉप की जानकारी दी जाएगी। ज्ञान के लोकल कोर्डिनेटर प्रो. कर्मपाल नरवाल ने बताया ज्ञान प्रोजेक्ट के तहत साप्ताहिक कार्यशाला में होने वाले विभिन्न व्याख्यानों को भारत सरकार के वेबपोर्टल के माध्यम से वेबकास्टिंग किया जा रहा है जिसका लाभ पूरी दुनिया उठा सकती है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष व शिक्षक उपस्थित थे।

दैनिक जागरण- 17/7/18

दक्षिण कोरिया यूनिवर्सिटी व जीजेयू रिसर्च के क्षेत्र में मिलकर करेंगे काम : प्रो. टंकेश्वर

जीजेयू में ज्ञान प्रोजेक्ट के समापन पर वीसी टंकेश्वर कुमार प्रतिभागी को प्रमाणपत्र देते हुए।

हिसार | दक्षिण कोरिया यूनिवर्सिटी व जीजेयू रिसर्च के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे, जो विवि की एच इंडेक्स में भी इजाफा करेगी। यह बात जीजेयू के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में ज्ञान प्रोजेक्ट के समापन पर मुख्यातिथि के रूप में वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कही।

उन्होंने कहा कि ज्ञान स्कीम के जरिये एक टीचर द्वारा लगातार पांच दिन किसी टॉपिक को गहराई से समझाने का मौका मिलता है। इससे दूसरे टीचर भी इंस्पायर होते हैं। जीजेयू में 16 जुलाई से शुरू हुए ज्ञान प्रोजेक्ट नैना टेक्नोलॉजी विषय पर आयोजित किया गया था। इसमें दक्षिण कोरिया यूनिवर्सिटी से आए प्रो. डोंग नोन लिम ने लगातार पांच दिन तक विभिन्न राज्यों से आए टीचर व स्टूडेंट्स को नैनो टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी दी।

नैनो टेक्नोलॉजी के बारे में नई जानकारियां देने वाले दक्षिण कोरिया यूनिवर्सिटी से आए प्रो. डोंग नोन लिम ने कहा कि दक्षिण कोरिया के मुकाबले भारतीय स्टूडेंट्स जिज्ञासु हैं और वो नई चीजों के बारे में जानने की इच्छा रखते हैं। ज्ञान कार्यशाला में जिस उद्देश्य के साथ वो आए थे, उससे बेहतर परिणाम सामने आए हैं। यहां के लोगों के बिहेवियर व अतिथि सत्कार से भी वो काफी प्रभावित हुए। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. कर्मपाल ने कहा कि विवि का यह 7वां ज्ञान प्रोजेक्ट है।

8वें ज्ञान प्रोजेक्ट का आयोजन नवंबर महीने में किया जाएगा। विवि में विदेशी शिक्षकों के आने व विदेशी यूनिवर्सिटी से तालमेल बना कर नई योजनाओं पर कार्य करने से विवि के एच इंडेक्टस व रेटिंग में सुधार होता है। मौजूदा समय में विवि की एच इंडेक्स 75 है। विवि की ओर से ऐसे 20 प्रस्ताव पारित किए गए।

पंजाब केसरी- 21-7-18

जीजेयू और डीएन कालेज की बेटियों को मिला सम्मान

जागरण संवाददाता, हिसार : भिवानी में आयोजित दैनिक जागरण के नाज है बेटियों पे कार्यक्रम में जिले की तीन बेटियों को भी सम्मानित किया गया। आदर्श महिला महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे ओडिशा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने कहा है कि बेटियों ने हर बुलंदी को छू लिया है और वर्तमान परिवेश में बने ग्लोबल आतंकवाद का समाधान नारी शक्ति ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि आज की बेटी मीरा भी है और राधा भी। वह किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। हमें भ्रम है कि बेटियां जन्म लेती हैं बल्कि सत्य यह है कि बेटियां जन्म न लेकर अवतरित होती है।

सम्मानित हुई छात्राओं में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के कम्यूनिकेशन मेनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी विभाग की छात्राएं ज्योति और पूजा के अलावा डीन कालेज की बीएमसी की छात्रा पूजा मेहला शामिल रहीं। इन छात्राओं को दैनिक जागरण में चले बेटियों की डायरी कॉलम के तहत बेहतरिन लेख लिखने के बाद युवा संपादक के लिए चुनी गई थी।

भिवानी में दैनिक जागरण के नाज है बेटियों पे कार्यक्रम में छात्रा ज्योति को सम्मानित करते ओडिशा के राज्यपाल प्रो . गणेशीलाल । साथ हैं दैनिक जागरण हिसार यूनिट के महाप्रबंधक राहुल मित्तल व अन्य ।

डीएन कालेज की छात्रा पूजा को सम्मानित करते प्रो . गणेशी लाल ।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की छात्रा पूजा को भी सम्मानित किया गया ।

दैनिक जागरण - 21-7-18

प्रतिभाओं के सम्मान से मिलती है दूसरों को प्रेरणा : कैप्टन अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

वित्त एवं राजस्व मंत्री ने कहा कि जब समाज में किसी भी क्षेत्र में काम करने वाली किसी प्रतिभा को सम्मानित किया जाता है तो दूसरे लोगों को भी अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। यह बात उन्होंने आज शीशमहल में आयोजित बेस्ट ऑफ द बेस्ट नेशनल अवार्ड समारोह के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 101 हस्तियों को सम्मानित करते हुए कही। कार्यक्रम में वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने पत्रिका के छठे अंक का विमोचन किया। उन्होंने पुस्तक का भी अनावरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। हरियाणा किसान आयोग के चेयरमैन डॉ. रमेश यादव ने समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। वित्तमंत्री ने कहा कि समाज को अपना सांझा स्वरूप बनाए रखने की जरूरत है ताकि प्रत्येक वर्ग आपस में घुल-मिलकर आदर्श समाज का का निर्माण कर सके। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार भी सांझी सोच की तर्ज पर सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर चलने वाली सरकार है जहां हर वर्ग के कल्याण की बात को सर्वोपरि रखा जाता है।

- वित्तमंत्री ने किया विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 101 हस्तियों को सम्मानित

हिसार। महिला को सम्मानित करते वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु व गुजवि के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार।

हरि भूमि - 23-7-18

प्रदेश के 10वीं के टॉप 200 विद्यार्थियों को साइंस में शोध के लिए प्रेरित करने पर जोर, कैंप शुरू

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रदेश में किसी भी बोर्ड से दसवीं कक्षा में अव्वल रहे टॉप 200 विद्यार्थियों को विज्ञान में अनुसंधान हेतु प्रेरित करने के लिए पांच दिवसीय 'इन्सपायर इन्टर्नशिप साइंस कैंप' बुधवार को शुरू हो गया है। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित इस कैंप का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने किया।

यह कैंप भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मोहाली की वैज्ञानिक डा. मेनका झा और पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के प्रो. देविन्द्र मेहता इस कैंप के विषय विशेषज्ञ हैं।

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर ही शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। प्रतिभा और शिक्षा का सामंजस्य ही बेहतर भविष्य बना सकता है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के साथ आगे बढ़ता है तो हमेशा खुश रहता है।

क्योंकि वह अपनी रुचि के अनुसार कार्य करता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी का लक्ष्य परीक्षा में अधिक से अधिक नंबर लेना नहीं, बल्कि शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास व व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करना होना चाहिए।

संसाधनों के बावजूद हम शोध में पीछे

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि देश में शोध के सभी संसाधन होने के बावजूद भी शोध के क्षेत्र में विश्व के कई देशों से पीछे हैं और पर्याप्त मात्रा में शोध के संसाधन न होने के बावजूद भी सिंगापुर विश्व नंबर एक पर है। यहां इसका मुख्य कारण देश में किए जा रहे शोध कार्य का लाभ आमजन तक न पहुंचना है। उन्होंने विद्यार्थियों से उम्मीद जताई कि वे पांच दिवसीय कैंप में रिसर्च व इनोवेटिव आइडिया से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को जानेंगे। फिजिक्स विभाग की प्रो. सुजाता सांघी ने कि भारत युवा देश है और युवा वर्ग को विज्ञान के क्षेत्र में आगे आने की आवश्यकता है। कोर्स कोर्डिनेटर डा. रवि भाटिया ने बताया कि प्रतिभागी

प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। ● जागरण

विद्यार्थियों को साइंस व शोध में अपना अहम योगदान देने बारे प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रो. आशीष अग्रवाल, प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, प्रो. मुकेश शर्मा, प्रो. राकेश धर उपस्थित थे।

दैनिक जागरण - 26/7/18

गुजवि के फिजिक्स विभाग का इंस्पायर इंटर्नशिप साइंस कैम्प का दूसरा दिन

विद्यार्थियों ने जाने 'ब्रह्मांड के रहस्य'

हिसार, 26 जुलाई (पंकेस): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के फिजिक्स विभाग के सौजन्य से चल रहे 5 दिवसीय 'इंस्पायर इंटर्नशिप साइंस कैम्प' के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने विज्ञान एवं ब्रह्मांड के रहस्यों के बारे जाना। प्रतिभागियों को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रो. पवन कुमार शर्मा और आई.आई.टी. रूड़की के प्रो. अशोक कुमार जैन ने सम्बोधित किया।

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित इस शिविर में हरियाणा प्रदेश के 10वीं कक्षा के टॉपर विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। ये प्रतिभागी 11वीं कक्षा में विज्ञान विषयों को पढ़ रहे हैं। इस शिविर का उद्देश्य प्रतिभागियों में विज्ञान के प्रति और अधिक रुचि पैदा करना है। प्रो. पवन कुमार शर्मा ने 'लर्निंग टू स्पिन दि व्हील ऑफ साइंस' विषय पर अपना सम्बोधन दिया।

शिविर में आई.आई.टी. रूड़की के प्रो. अशोक कुमार जैन को सम्मानित करते प्रो. देवेंद्र मोहन व प्रो. रवि भाटिया।

उन्होंने बताया कि विज्ञान को समझना है तो बेहतर प्रश्न करना आना चाहिए। बेहतर प्रश्न तभी किए जा सकते हैं जब विद्यार्थी संबंधित विषय को गहनता व एकाग्रता से पढ़े व उसे जानने का प्रयास करे। प्रो. शर्मा ने विद्यार्थियों को एच.आई.वी. के बारे में भी जानकारी दी। प्रो. अशोक कुमार जैन ने 'न्यूक्लीयाई एंड कोसमास' विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने नाभिक व ब्रह्मांड के बारे में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने बताया कि ब्रह्मांड लगभग 14 बिलियन वर्ष पूर्व बना माना जाता है। खगोलीय व्यवस्था बहुत बाद में स्थापित हुई मानी जाती है।

शाम के सत्र में प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। शुक्रवार को प्रतिभागियों को पंजाब विश्वविद्यालय के प्रो. डेजी बातिस व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव संबोधित करेंगी। इस मौके पर प्रो. रवि भाटिया, प्रो. देवेंद्र मोहन व प्रो. सुजाता सांघी उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी - 27-7-18